NYAYA - COMPARISON

न्याय - उपमान

By- Dr. Arun Kumar Sinha
Asso. Professor, Philosophy Department
Raja Singh College, Siwan

(For Part- 1 Hons./Subs. Students)

न्याय दर्शन में न्याय को एक प्रमाण माना गया है।इसके द्वारा एक प्रसिद्ध वस्तु से सादृश्यता के आधार पर एक नई वस्तु का ज्ञान प्राप्त होता है।एक आदमी जिसने कभी नीलगाय नहीं देखा है,परन्तु एक दूसरा विश्वसनीय आदमी जिसने नीलगाय को देखा वह बतलाता है कि 'नीलगाय' गाय की तरह होती है और जब वह जंगल में जाता है और एक ऐसा पशु देखता है जो गाय के सदृश है।इस पर उसे उस ब्यक्ति का कथन याद आता है कि नीलगाय गाय के सदृश होती है, तब उसे ज्ञात हो जाता है कि वह पशु नीलगाय ही है।इस प्रकार के ज्ञान को ही उपमान ज्ञान कहा जाता हैं। उपमान में दो बातें होती हैं - एक नया ज्ञान अज्ञात वस्तु का ज्ञान और पहले से ज्ञात वस्तु का किसी अन्य वस्तु से सादृश्य का ज्ञान।ज्ञाता को सादृश्य का जो ज्ञान होता है वह स्वयम देखकर नहीं होता बल्कि किसी अन्य विश्वसनीय के कथन से होता है जिसने गाय और नीलगाय को देखकर उसके सादृश्य को जाना था।

उपमान से जो ज्ञान प्राप्त होता है उसे उपमिति कहा जाता है।संज्ञा और सज्ञों के सम्बंध के ज्ञान को उपमिति कहा जाता है।इस तरह उपमा अथवा उपमान कारण है और उपमिति उसका फल।नीलगाय का वर्णन सुनने के बाद उसकी सादृश्यता किसी जानवर में देखकर उसे नीलगाय समझ लिया जाता है।यह उपमा का ही प्रमाण है।

पाश्चात्य तर्कशास्त्र में उपमान को सादृश्यानुमान (Analogy)कहा गया है।यह ज्ञान सादृश्य के आधार पर प्राप्त होता है,इसलिए इसे सादृश्यानुमान कहा जाता है।न्याय दर्शन में उपमान को एक स्वतंत्र प्रमाण माना गया है लेकिन अन्य दर्शनों में इस सम्बंध में मतभिन्नता है।चार्वाक दर्शन उपमान को प्रमाण के रूप में मान्यता नहीं देता।इसके अनुसार उपमान से पदार्थ का कोई यथार्थ ज्ञान प्राप्त नहीं होता।अतः इसे प्रमाण मानना उचित नहीं होगा।बौद्ध दर्शन का मानना है कि उपमान प्रमाण है परन्तु प्रत्यक्ष और शब्द का बदला हुआ रूप है।अतः इसे स्वतन्त्र प्रमाण नहीं माना जा सकता।वैशेषिक तथा सांख्य दर्शन के अनुसार उपमान अनुमान का ही एक प्रकार है।मीमांसा और वेदान्त ने यद्यपि उपमान को एक प्रमाण माना है परन्तु इनकी मान्यता न्याय दर्शन से भिन्न है।

उपमान के विषय में अलग-अलग धारणाएँ हैं फिर भी इसे स्वतन्त्र प्रमाण माना जा

सकता है।यद्यपि आंशिक रूप से कुछ अन्य प्रमाण भी इसमें मिश्रित हैं लेकिन इसमें कुछ इसकी अपनी चीजें भी हैं।